आभार

ईश्वरीय अनुकम्पा, गुरु और माता–पिता के आशीर्वाद एवं मित्रों के सहयोग से ही जीवन में सफलता प्राप्त होती है, मैं भी इस प्रेममयी अनुकम्पा से आह्लादित हूँ। इस शोधप्रबन्ध को प्रस्तुत करते हुये मैं उन सभी गुरुजनों, परिजनों एवं इष्टमित्रों की ऋणी हूँ, जिनके सहयोग से यह शोधकार्य सम्भव हो सका है।

इस शोध की यथा–समय प्रस्तुति के लिये मैं अपने शोध–निर्देशक परम पूज्य गुरुवर डॉ0 कृष्णकुमार खरे पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, बद्री विशाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय फर्रूखाबाद के प्रति हार्दिक सश्रद्धा कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ, जिनके विद्वत्तापूर्ण निर्देशन एवं ममत्वभरी वाणी से यह शोधकार्य पूर्ण हो सका। मैं अपनी कृपामूर्ति गुरूमाता श्रीमती आशा खरे के वात्सल्यमयी स्नेह के प्रति भी ऋणी हूँ, जो मुझे अपने कर्मपथ पर निरन्तर गतिमान रहने के लिये आधार प्रदान करती रही हैं।

कृतज्ञता ज्ञापन की इस कड़ी में मैं अपने पति डॉ0 हरियोगेन्द्र शुक्ल का आभार किन शब्दों में व्यक्त करूँ। शोध–प्रबन्ध के दौरान प्रारम्भ से लेकर अन्त तक उनका अकथनीय सहयोग मुझे प्राप्त होता रहा है। मैं उनकी हृदय से आभारी हूँ, तथा साथ ही अपने पुत्र कार्तिकेय शुक्ल के सहयोग के लिये भी आभारी हूँ।

मैं अपनी सास श्रीमती पुष्पलता शुक्ला तथा पिता प्रो0 मेजर आदित्य त्रिपाठी एवं माँ श्रीमती निर्मला त्रिपाठी को अपना यह शोध–ग्रन्थ समर्पित करते हुये उनका आशीर्वाद चाहती हूँ, जिनकी कृपा से यह शोधकार्य पूर्णता को प्राप्त हुआ। उनके कदमों में मैं अपनी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूँ। तत्पश्चात् मैं अपने भाइयों अमितांशु त्रिपाठी एवं अभ्युदय त्रिपाठी,

बहने डॉ0 आद्या शुक्ला, डॉ0 आस्था दीक्षित, जेठ श्री प्रद्युम्न शुक्ल, जेठानी श्रीमती मीरा शुक्ला, ननद–ननदोई श्रीमती मंजुलता बाजपेई एवं बृजेंद्र बाजपेई, चाचा जी डॉ0 आर0एन0 त्रिपाठी एवं चाची जी श्रीमती सरिता त्रिपाठी एवं चचेरे भाई अमिताभ त्रिपाठी एवं अंशुमान त्रिपाठी की आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस कार्य को पूर्ण करने में सभी प्रकार से सहयोग प्रदान किया और मुझे किसी भी प्रकार की कमी का अनुभव नहीं होने दिया।

जनपद औरैया के जिला संख्या अधिकारी एवं अन्य सभी सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारियों की भी आभारी हूँ, जिन्होनें विषय–वस्तु सम्बन्धी साहित्य तथा ऑकड़ों के संकलन में सहयोग प्रदान किया है।

कुशल मानचित्रण हेतु श्री धीरेन्द्र कुमार सिंह एवं शुद्ध टंकण हेतु श्री गौरव भदौरिया को हृदय से धन्यवाद देती हूँ, जिनके अथक परिश्रम से यह शोधकार्य समय पर एवं सुचारु रूप से टंकित हो सका। मैं अपने सभी इष्टमित्रों व सहयोगियों का हृदय से आभार प्रकट करती हूँ जिनके उत्साह व प्यार ने मुझे शोधकार्य पूर्ण करने की आत्मशक्ति प्रदान की। मैं उन सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी आभारी हूँ जिन्होनें शोधकार्य के समय मुझे आवश्यकतानुसार ऑकड़े उपलब्ध कराकर मेरी यथासम्भव सहायता की। धन्यवाद,

(अपर्णा त्रिपाठी)